

IIT के इन्क्यूबेशन सेंटर में मैनुफैक्चरिंग सीओई का निर्माण होगा, टेंडर जारी, अगले सप्ताह खुलेंगे

3 कंपनियों ने टेक्निकल बिड को पार किया, 6 करोड़ रुपए आंकी जा रही प्रोजेक्ट की कीमत

भास्कर संवाददाता। इंदौर

आईआईटी इंदौर के इन्क्यूबेशन सेंटर दृष्टि फाउंडेशन ने आगामी प्रोजेक्ट 'इंटेलीजेंट मैनुफैक्चरिंग सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के लिए टेंडर बुलाए हैं, जो अगले सप्ताह खुलेंगे। इन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में क्या मशीनें होंगी, किस प्रकार का सेटअप होगा, इसकी तैयारी कर ली गई। सिर्फ मशीनें नहीं, जो भी कंपनी इसका निर्माण करेगी उसे छात्रों को तैयार करने के लिए एक कोर्स भी निर्मित करना होगा। इसके लिए 3 कंपनियों ने टेक्निकल बिड को पार किया।

दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन के सीईओ आदित्य व्यास ने बताया हमने इस सेंटर को इंडस्ट्री 4.0 के मानक अनुसार तैयार करने का निर्णय लिया, जिसमें छात्र भी सीख सकें और हार्डवेयर से लेकर सॉफ्टवेयर तक की ट्रेनिंग ले सकें। इस सीओई में बिजली निर्माण से लेकर चिप डिजाइन और छोटे से छोटे वाल्व से लेकर रोबोट तक को विकसित किया जाएगा। इसके अलावा इस सेटअप को चलाने के लिए



न सिर्फ ट्रेनर्स को ट्रेड करना होगा बल्कि एक एनिमेटेड वीडियो भी बनाकर देना होगा, जिसकी मदद से आने वाले समय में इसे संचालित करने की ट्रेनिंग दी जा सके। इस प्रोजेक्ट की कीमत 6 करोड़ रुपए आंकी जा रही। इसमें से कुछ राशि सीएसआर के तहत निजी कंपनी से मिली है, वहीं शेष राशि डीएसटी से ली जा रही है। इंदौर में बन रहे इस प्रकार के पहले सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में आने वाले 5 सालों में 50 डीपटेक इंटेलीजेंट मैनुफैक्चरिंग स्टार्टअप को फंडिंग दी जाएगी। इसमें उन्हीं प्रोजेक्ट पर काम किया जाएगा जो सीधे फैक्टरी और इंडस्ट्री में इस्तेमाल हो सके।

स्टार्टअप की जरूरत के हिसाब से चलाया जा सकेगा-

इस सेंटर में एक मैनुफैक्चरिंग सिम्युलेटर सेटअप भी बनाया जाएगा जिसमें कन्वेयर बेल्ट सहित जरूरी मशीनें लगाई जाएंगी, ताकि प्रोडक्ट बनाए और उनकी टेस्टिंग की जा सके। रॉ मटेरियल देने, प्रोडक्ट बनाने, उसकी क्वालिटी चेक करने से लेकर पैकेजिंग तक सभी प्रोसेस के लिए इस प्रोसेस सिम्युलेटर का इस्तेमाल किया जाएगा, जिसे स्टार्टअप की जरूरत के हिसाब से चलाया जा सकेगा। इस पर प्रोडक्ट डेमो भी किए जाएंगे। साथ ही जब जरूरत हो तब इसे चालू और बंद किया जा सकेगा।